बी.ए (प्रोग्राम)

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास (हिंदी-क)

BAPMILHA02 सेमेस्टर- IV

1. हिंदी गद्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए|
2. हिंदी कहानी के विकास की रूपरेखा स्पष्ट कीजिए|
3. साहित्य की विधा के रूप में कहानी की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए|
4. निबंध के तत्वों का उल्लेख कीजिए|
5. कहानी के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए|
6. बूढ़ी काकी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए|
7. बूढ़ी काकी पाठ का कथ्य स्पष्ट कीजिए|
8. रूपा का चरित्र चित्रण कीजिए|
9. उसने कहा था कहानी का प्रतिपाद्य लिखिए|
10. लहना सिंह का चरित्र चित्रण कीजिए|
11. चीफ की दावत कहानी की मूल संवेदना का विश्लेषण कीजिए|
12. चीफ की दावत कहानी की समीक्षा कीजिए|
13. चीफ की दावत कहानी को केंद्र में रखकर भीष्म साहनी की कहानी कला पर प्रकाश डालिए|
14. मेले का ऊंट नामक निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए|
15. मेले का ऊंट पाठ के रचनात्मक उद्देश्य का विवेचन कीजिए|
16. मेले का ऊंट निबंध के मूल भाव को स्पष्ट कीजिए|
17. सदाचार का ताबीज पाठ का मूल विचार बताते हुए वर्तमान के संदर्भ में उसके महत्व का विश्लेषण कीजिए |
18. सदाचार का ताबीज व्यंग की दृष्टि से एक आदर्श रचना है - स्पष्ट कीजिए|
19. सदाचार का ताबीज भ्रष्ट राजनीतिक सामाजिक व्यवस्था पर करारी चोट करता है - विवेचना कीजिए|
20. ठेले पर हिमालय निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए|
21. ठेले पर हिमालय निबंध की विशेषता बताइए|
22. अंधेर नगरी का प्रतिपाद्य लिखिए|
23. अंधेर नगरी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए|
24. बिबिया का चरित्र चित्रण कीजिए|
25. संस्मरण के तत्वों के आधार पर बिबिया की समीक्षा कीजिए|